पाठ 13

सीख

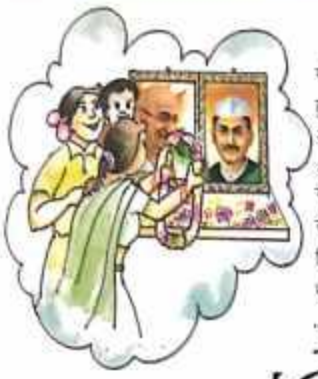

वैभव स्कूल से घर आया तो माँ ने पूछा, "स्कूल में आज क्या –क्या हुआ वैभव?" वैभव बोला, "माँ, आज दो अक्टूबर है न। हमारे स्कूल में गांधी जी और शास्त्री जी का जन्मदिन मनाया गया। सबने उनके चित्र पर फूल चढ़ाए। दीदी जी ने कम्प्यूटर पर बहुत अच्छी फिल्म भी दिखाई। तुम्हें उसकी कहानी सुनाऊँ माँ ?"

"सुनाओ बेटा!" माँ ने कहा।

वैभव कहानी सुनाने लगा–

एक बार कस्तूरबा बहुत बीमार हो गईं। दवा से आराम नहीं हो पा रहा था। गांधी जी ने किसी पुस्तक में पढ़ा था कि बीमारी में कुछ समय तक नमक न खाने से लाभ होता है।

गांधी जी ने कस्तूरबा से कहा, "तुम कुछ दिन भोजन में नमक लेना बंद कर दो।"

कस्तूरबा ने गांधी जी से कहा, "यह तो बड़ा कठिन है। नमक छोड़ने को तो कोई आपसे कहे तो आप भी न छोड़ पाएँगे।"

गांधी जी ने सोचा, "पर–उपदेश कुशल बहुतेरे। हम जो बात दूसरों से करने को कहें पहले उसे स्वयं करना चाहिए। तभी उसका प्रभाव होता है।" गांधी जी ने कहा, "मुझे बीमारी हो और वैद्य किसी चीज को छोड़ने को कहें तो अवश्य ही छोड़ दूँगा, क्योंकि उसी में भलाई है। मैंने तुमसे नमक छोड़ने को कहा है। पहले मैं ही कुछ समय के लिए नमक छोड़कर देखता हूँ।"

बापू की बात का कस्तूरबा पर बड़ा प्रभाव पड़ा। उन्होंने भोजन में नमक लेना बंद कर दिया। शीघ्र ही वह स्वस्थ हो गईं।

वैभव से कहानी सुनकर माँ ने कहा, "हाँ बेटा, ऐसे ही थे महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री। वे जो कहते थे पहले स्वयं करते थे। तभी तो पूरा देश आज भी उन्हें याद करता है।"

अभ्यास

1. उत्तर दो –

    क. दो अक्टूबर को किन–किन महापुरुषों का जन्मदिन मनाया जाता है ?

    ख. गांधी जी ने कस्तूरबा से नमक छोड़ने के लिए क्यों कहा ?

    ग. हमारी बात का दूसरों पर कब प्रभाव पड़ता है ?

2. तुम अपने घर की बोली में इन्हें क्या कहते हो –

    क. माँ के भाई को ....

    ख. पिता जी के पिता जी को ....

    ग. पिता जी की बहन को ....

    घ. माता जी की बहन को ....

3. 'भला' शब्द से बना है–भलाई। इसी प्रकार इन शब्दों से नए शब्द बनाओ–

    अच्छा .... बुरा .... मीठा .... सच्चा ....

4. लिखो, इस बार दो अक्टूबर को आपके विद्यालय में क्या–क्या हुआ ?

5. नीचे बने खानों में इन नामों को छाँटकर लिखो–
गांधी जी, कंप्यूटर, फल, घर, कस्तूरबा, नमक, पुस्तक, कोयल, दिल्ली,

गोपाल, हरिद्वार, घड़ी, चरखा, अहमदाबाद, लखनऊ, केला, पानी, गेंद, कलम, बल्ला, गाय, रबर, हर्ष, वैभव, लड्डू, कबूतर

प्राणियों के नाम	स्थानों के नाम	वस्तुओं के नाम

* बच्चों को महापुरुषों के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग सुनाएँ। बहुवचन शब्दों की जानकारी कराएँ।

कितना सीखा ?

1. नीचे दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले (समानार्थी) दो-दो शब्द लिखो-

   पेड़ ....

   चंद्रमा ....

   फूल ....

2. नीचे लिखे शब्दों में से संज्ञा, सर्वनाम छाँटकर अलग-अलग लिखो –

   हाथी, तुम, स्कूल, मैं, वह, अध्यापक, हम, रामपुर, पतंग

   संज्ञा सर्वनाम

   ....

3. बहुवचन में लिखो –

   तोता .... सड़क .... आँख .... सीढ़ी ....

4. नीचे लिखे शब्दों से वाक्य बनाओ –

   रोशनी– ....

   उदास– ....

   अचानक– ....

5. सोचो और लिखो- क्या होता यदि पहाड़ उड़ सकते? ....
   ....

6. चाँद ने माता से क्या हठ की ?
7. माँ ने कुर्ता सिलवाने में क्या कठिनाई बताई ?
8. बापू की बात का कस्तूरबा पर क्या प्रभाव पड़ा ?
9. याद की गई कोई कविता कॉपी पर लिखो और सुनाओ ।
10. वैभव की सुनाई हुई कहानी को तुम अपने शब्दों में सुनाओ।
11. अपने मित्रों से कोई पहेली पूछो।
12. अपने प्रिय दोस्त के बारे में कुछ वाक्य लिखो।